>

Title: Need to include the remaining five tehsils of Vidharbha in the special financial package declared by the Government for the benefit of farmers of the region.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर) : महोदय, देश के किसानों की स्थिति बड़ी दयनीय बनी हुई है। किसानों के उत्पादों को लाभकारी दाम नहीं मिलने से किसान सम्मानजनक आजीविका के लिए संघर्ष कर रहा है। अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए वह ऋणग्रस्त होकर जीने को मजबूर है। सरकार द्वारा कृÂिष क्षेत्र की उपेक्षा के कारण आज किसान बदहाली में जी रहा है। देश में उदारीकरण और भूंडलीकरण के दौर में उद्योग और सेवाक्षेत्र का दिन प्रतिदिन विकास हो रहा है लेकिन कृषि क्षेत्र लगातार पिछड़ रहा है। महाराÂष्ट्र के विदर्भ में कपास एवं धान उत्पादक किसान हजारों की संख्या में आत्महत्या कर रहे हैं। उनके उत्पादों को लाभकारी मूल्य नहीं मिलना वह एक समस्या बनती जा रही है। प्रधान मंत्री द्वारा विदर्भ के किसानों के लिए विशेष पैकेज घोषित किया गया, लेकिन उसमें पांच जिलों को वंचित रखने से किसानों के साथ पक्षपात करने की बात स्पÂष्ट हो रही है। इन पांच जिलों में भी किसानों की वही बदहाली होने के कारण आत्महत्याएं हो रही हैं। राज्य सरकार और प्रशासन द्वारा दी गई गलत जानकारी के आधार पर इन पांच जिलों को प्रधानमंत्री पैकेज से वंचित रखने से इन किसानों पर अन्याय होने की भावना बलवती हो रही है। इससे किसानों में रोष और असंतोष व्याप्त है। इसे देखते हुए केन्द्र सरकार और विदर्भ के इन पांच जिलों को भी विशेष पैकेज में शामिल करें। प्रधानमंत्री के आगामी विदर्भ दौरे में इस आशय की घोषणा प्रधानमंत्री स्वयं करें, यह मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं।